कक्षाः चौथी
हिंदी (द्वितीय भाषा)
(चौथी कक्षा के लिए)

इस स्तर पर भाषा-शिक्षण का यह उद्देश्य होना चाहिए कि बालक को प्राइमरी के पाँचवें वर्ष के अन्त तक हिंदी (द्वितीय भाषा) की पढ़ाई द्रुत-गति से प्राप्त करने की प्रेरणा दी जाये तथा अपने आपको अभिव्यक्त करने का सुअवसर प्रदान किया जाए। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है:-

मौखिक अभिव्यक्तिः

विद्यार्थी में ऐसी योग्यता का विस्तार करना जिससे वहः

1. हिंदी की सभी ध्वनियों की चित्र देखकर पहचान कर सकेः
2. हिंदी की मिलती-जुलती ध्वनियों की पहचान कर सकेः
3. हिंदी और पंजाबी की ध्वनियों की समानता और विभिन्नता की पहचान कर सकेः
4. हिंदी की मात्राओं की तुलना पंजाबी की मात्राओं के साथ कर सकेः
5. पंजाबी में प्रयोग होने वाली बिन्दी (ं) और टिप्पी (ँ) के स्थान पर हिंदी में अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग कर सकेः
6. हिंदी में दिए गए मौखिक निर्देशों को समझ सकेः
7. अपने परिवेश/पर्यावरण की जानकारी प्राप्त कर सकेः
8. घर और समाज में विचरते हुए नैतिक मूल्यों जैसे : प्रेम, सहानूभूति, आदर, परिश्रम आदि की पहचान कर सकेः
9. चित्र देखकर बात कर सकेः
10. समूह में या व्यक्तिगत रूप से हाव-भाव के साथ कविता का उच्चारण कर सके।

पढ़ाईः

विद्यार्थी में ऐसी योग्यता का विस्तार करना जिससे वहः

1. चित्र देखकर हिंदी वर्णमाला पढ़ सकेः
2. निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में शब्दों और वाक्यों को स्पष्ट रूप से पढ़ सकेः
3. अपने परिवेश से नये शब्द पढ़ सकेः

लिखाईः

विद्यार्थी में ऐसी योग्यता का विस्तार करना जिससे वहः

1. देवनागरी लिपि के चिह्नों के सही रूप व आकार की जानकारी प्राप्त कर सकेः
2. हिंदी पंजाबी शब्दों की समानता एवं भिन्नता को समझकर हिंदी शब्दों को लिख सकेः
3. गुरुमुखी लिपि में दिये गये वाक्यों को देवनागरी लिपि में लिख सकेः

4. सरल शब्दों एवं संक्षिप्त वाक्यों की प्रतिलिपि और श्रुतलेख लिख सके:

5. बहुत छोटे-छोटे वाक्य बना सके:

6. दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य / गद्यांश पूरा कर सकें:

पाठ्य-पुस्तक : आओ हिंदी सीखें -4

(पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)